मैं हार गया जग से | By Surpreet Sunny |

मैं हार गया जग से
अब तुमको पुकारा है
दुनिया से सुना है तू
हारे का सहारा है
हारे का सहारा है

मैं रात अमावस की
तुम सुख का सवेरा हो
तेरे बिन सुनता नहीं
कोई दुख मेरा हो
कोई दुख मेरा हो
तू सुनता है सबकी
मुझसे क्यों किनारा है
दुनिया से सुना है तू
हारे का सहारा है
हारे का सहारा है

ये कैसा बंधन है
ये कैसा नाता है
हर पल तू यादों में
आता और जाता है
आता और जाता है
तेरी साँवरी सूरत को
अब मन में उतारा है
दुनिया से सुना है तू
हारे का सहारा है
हारे का सहारा है

दुनिया की खा ठोकर
द्वार तेरे आया हूँ
सर पर अब हाथ धरो
मैं बहुत सताया हूँ
मैं बहुत सताया हूँ
प्रवीण का तेरे बिन
पल भर ना गुजारा है
सनी का तेरे बिन
पल भर ना गुजारा है
दुनिया से सुना है तू
हारे का सहारा है
हारे का सहारा है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%97-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-surpreet-sunny-2/